MESOLITHIC - AGE

(1) सामान्य कालखंड (भारतीय उपमहाद्वीप में) → 9000 ईoपूo – 5000 ईoपूo

ऐसा नहीं है कि 5000 ईoपूo के बाद mesolithic है ही नहीं, बल्कि ऐसे स्थल हैं जहाँ से mesolithic का प्रमाण 4000 ईoपूo के मिलता है और कई स्थल ऐसे हैं जहाँ mesolithic का काल 6000 ईoपूo में ही खत्म हो जाता है। stratigraphic geology से इसको correlate करके देखते हैं तो यह युग Cenozoic era के quarternary period के Holocene phase से संबंध है।

2nd feature → वातावरण में भारी परिवर्तन →

जहाँ paleolithic दौर में Plastocene phase में वातावरण प्रतिकूल था, तापमान कम था, बर्फ की मोटी सिल्लीयाँ थी, पृथ्वी का अधिकतम हिस्सा बर्फ से ढ़का हुआ था, घास के मैदान बेहद कम थे, मीठे जलस्रोत की कमी थी और मनुष्य का प्रवास केवल पथरी पठारी क्षेत्र में हो सकता था। लेकिन अब Holocene phase की शुरुआत के साथ ही परिवर्तन आया। तापमान बढ़ गया, तथा तापमान का स्तर वहाँ आ गया जहाँ वह आज के दौर में है अतः बर्फ की मोटी सिल्लीयाँ पिघल गई, पृथ्वी का अधिकतम हिस्सा खुल गया, घास के मैदान उभरने लगे, नदियाँ मीठे जलस्रोत के रूप में सामने आ गई और यह मनुष्य के लिए अधिकतम अनुकूल था अतः वातावरण की अनुकूलता ने मनुष्य के रहन सहन में व्यापकपरिवर्तन लाया। अतः mesolithic दौर paleolithic दौर से भिन्न है।

3rd feature → जहाँ paleolithic दौर में वातावरण की प्रतिकूलता के कारण मनुष्य भारतीय उपमहाद्वीप में केवल

मानव होने के रहने को साक्ष्य था -
① पुराने नदी मार्ग तथा जल बेसिन
② पहाड़ी गुफाओं में
③ पठारी क्षेत्र में
चाहे वह सोहन घाटी क्षेत्र हो या [illegible] बेलन गंगा के या कोंगड़ा क्षेत्र या लूनी जोधपुर [illegible] या साबरमती घाटी क्षेत्र, बेलन घाटी क्षेत्र या बेतवा में हो

वहीं mesolithic दौर में वातावरण की अनुकूलता मनुष्य के प्रवास का क्षेत्र बढ़ता गया तब मनुष्य रह रहा है
① पहाड़ी क्षेत्र में
② पठारी क्षेत्र में
③ मैदानी क्षेत्र में
④ तटीय क्षेत्र में
⑤ बालुकामय क्षेत्र में।
⑥ नदी तटीय क्षेत्र में
अतः mesolithic दौर में मनुष्य के प्रवास का क्षेत्र, आव्रजन का क्षेत्र ये सब काफी विस्तृत हो गया। अतः यह भी व्यापक परिवर्तन है अतः जब संपर्क का क्षेत्र बढ़ता तब जानकारियों का क्षेत्र भी बढ़ता गया।

4th feature → Paleolithic दौर के बारे में जानने का उपलब्ध स्रोत →
(a) नदी मार्ग या बेसिन से प्राप्त मनुष्य द्वारा बनाए गए उपकरण औजार
(b) मनुष्य द्वारा शिकार किए गए पशुओं की हड्डियाँ।

Scanned with DocScan

मनुष्य द्वारा बनाए गए पहाड़ी गुफाओं में आकृतियाँ या चित्र

जबकि mesolithic दौर में मनुष्य के बारे में जानने का स्रोत →

(a) मनुष्य द्वारा बनाए गए उपकरण (b) पशुओं के जीवाश्म

(c) गुफा चित्रकारी (d) मनुष्य के कंकाल/जीवाश्म

अतः मनुष्य के कंकाल की उपलब्धता साक्ष्य के संदर्भ में जहाँ Paleolithic दौर में नहीं थी वहीं mesolithic दौर में इसकी कमी दूर हो गई है इसलिए स्पष्ट है कि mesolithic दौर के बारे में जानने के लिए साक्ष्य अधिक है paleolithic की तुलना में।

(2) feature → Tool-material के संदर्भ में

Paleolithic दौर में पुरातात्विक साक्ष्य के रूप में जो उपकरण/औजार आदि Tools प्राप्त होते हैं वे हैं →

(a) पाषाण के उपकरण

(b) पशु हड्डी के उपकरण/श्रृंग के उपकरण

जबकि mesolithic दौर में जो साक्ष्य उपलब्ध होते हैं।

(a) Stone tools (b) पशु हड्डी के उपकरण/श्रृंग के उपकरण।

(c) wood tools भी सामने आए।

अतः इस संदर्भ में तुलना करते हैं तो जानकारी मिलती है कि Paleolithic दौर में जहाँ हमारी मुख्य निर्भरता Stone पर थी वहीं mesolithic में भी मुख्य निर्भरता Stone पर ही रही। जहाँ Paleolithic दौर में हड्डी और श्रृंग के उपकरण बहुत कम थे वहीं mesolithic दौर में हड्डी और श्रृंग के उपकरण कम ही हैं। जहाँ paleolithic में wood का कोई इस्तेमाल नहीं था वहीं mesolithic में wood का ... हो गया। जहाँ Paleolithic ... microlith tools

Scanned with DocScan

काल मे धातु की जानकारी नहीं थी यहाँ mesolithic काल मे भी इसकी कोई जानकारी नहीं थी।

(6) 4th feature :- Stone tools quality :-

Paleolithic काल मे मनुष्य ने मुख्य रूप से पत्थर का ही अधिकतर औजार बनाया और इसके पूरक पत्थर का ही अधिकतम इस्तेमाल किया। अंत upper paleolithic मे पहुँचकर मनुष्य को कुछ बेहतर stone की जानकारी मिली। अतः मनुष्य द्वारा इस्तेमाल मे लाया गया stone :-

(a) quartzite
(b) calcidony
(c) Sand stone } अधिकतम इस्तेमाल } Paleolithic age
(d) flint
(e) chert
(f) Agate } बहुत कम इस्तेमाल } soft type stone

जबकि mesolithic काल मे मनुष्य के भिन्न क्षेत्रों मे प्रवास करने से नए नए पत्थर की जानकारी मिलती चली गई और मनुष्य अधिकाधिक soft stone के संपर्क मे आया। अतः mesolithic काल मे इस्तेमाल मे लाया गया stone है :-

(1) quartzite
(2) calcidony
(3) sand stone
(4) flint
(5) chert
(6) Agate
(7) Jesmer } mesolithic stone tools
(8) Carnellion }
(9) Soft Pebble (मुलायम बट्टीकाश्म)

नदियों द्वारा दूर से बहाकर लाए गए ऐसे पत्थर जो पहले ही घीसकर और टूटकर छोटे मुलायम टुकड़े के रूप मे रह जाते हैं उसे बट्टीकाश्म कहते हैं।

Fazal ahmad
Scanned with DocScan

अतः स्पष्ट है कि mesolithic दौर में Paleolithic दौर की अपेक्षा मनुष्य की जानकारी stone tools के संदर्भ में बढ़ी है।

> जिस्मा, कार्नेलियन और soft Pebble का इस्तेमाल इस मनुष्य की उपलब्धि है mesolithic दौर में।

flint, chert, Agate का अधिकाधिक इस्तेमाल भी mesolithic की उपलब्धि है।

अतः पुराने stone को मनुष्य भूल भी नहीं रहा है और पुराने stone पर मनुष्य रुक भी नहीं रहा है। इसमें बढ़ती जानकारी के साथ मनुष्य निःसंदेह प्रगतिशील है।

4th feature → Tools type :-

> Paleolithic दौर के मनुष्य ने उपलब्ध पत्थरों का इस्तेमाल करके जिन उपकरणों का निर्माण किया वे हैं :→

Hand axe, cleaver, chopper, Discoid core, Flake core, Side scraper & Burine (chisel & Barb)

जबकि mesolithic दौर के मनुष्य ने जिन उपकरणों का निर्माण किया वे हैं:

Hand axe, cleaver, chopper, discoid core, flake & core, side scraper, Burine, chisel, Barb तो है ही इसके अलावा Blade type apparatus, Point type apparatus, Crescent type apparature, Triangle type, Harpoon type, lunate type, Trapese type apparatus।

ये भिन्न - भिन्न ज्यामितीय आकार के उपकरण हैं। ये सभी soft Pebble का इस्तेमाल करके मनुष्य ने इन उपकरणों का निर्माण किया जो कुछ सेंटीमीटर के हैं। इन्हें ही कहते हैं सूक्ष्म पाषाणिक औजार (Microlith tools)।

Scanned with DocScan